

हरित स्वच्छ श्यामला धरती,
सबमें शान्ति स्फूर्ति भरती।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org



जहाँ हरियाली है,
वहीं खुशहाली है।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

धरती पर स्वर्ग है वहाँ,
हरे-भरे वृक्ष हैं जहाँ।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

पेड़ों को मत काटो भाई,
ये करते प्राकृतिक भरपाई।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org



कहते हैं सब वेद पुराण,
एक वृक्ष दस पुत्र समान।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

बिलखती है धरती बचाओ मुझे,
प्रदूषण से मुक्ति दिलाओ मुझे।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

सृष्टि के सृजन की प्रतीक,
हरित स्वच्छ
वसुधा की तकदीर।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

बंजर भूमि करे पुकार,
पेड़ लगाकर करो शृंगार।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

माँ की ममता-पेड़ का दान,
दोनों करते जन-कल्याण।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

जीव मात्र की यही पुकार,
हसा भसा हो यह संसार।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org



**पर्यावरण है
अगर बचाना,
हरीतिमा संवर्धन
अपनाना।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

11



**वृक्ष पानी और
शुद्ध हवा,
जीवन रक्षा की
अनमोल दवा।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

12



**हरियाली से है
जिसका नाता,
सुख समृद्धि
उसको भाता।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

13



**वृक्षारोपण एक
परम पुनीत कर्तव्य
एवं अनिवार्य
उत्तरदायित्व है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

14



**पर्यावरण संरक्षण एक
परम पुनीत पुण्य एवं
सर्वोपरि कर्तव्य है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

15

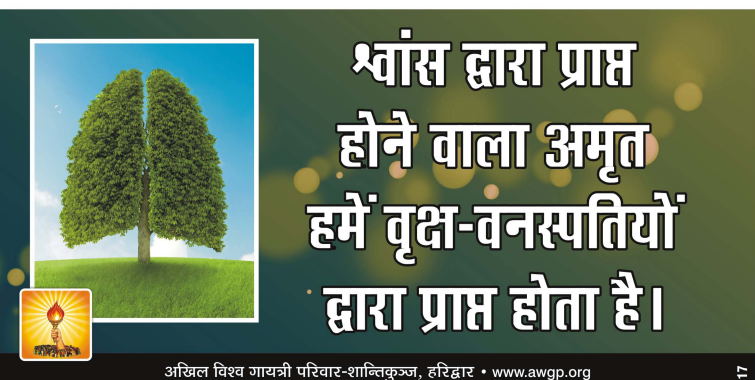


**वृक्षों के परिधान
पृथ्वी माता की
शोभा है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

16



**श्वास द्वारा प्राप्त
होने वाला अमृत
हमें वृक्ष-वनस्पतियों
द्वारा प्राप्त होता है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

17



**संसार के समस्त
वनस्पति
औषधि रूप हैं।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

18



**वन शीर्षे उद्यान लगाएँ,
हसा-भरा निज देश बनाएँ।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

19



**वृक्ष-वनस्पति के प्रति
श्रद्धा अक्षुण्ण रहे।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

20

वृक्षारोपण ब्रह्मकर्म के समतुल्य है।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

21

अपने जीवन में प्रकृति का प्रवेश होने दीजिए।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

22

जो वृक्षारोपण करता है, वह तीस हजार पितरों का उद्धार करता है।



-मत्स्य पुराण

अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

23

जो मनुष्य लोगों के हित के लिए वृक्ष लगाता है, वह मोक्षपद प्राप्त करता है।



-अग्नि पुराण

अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

24

जो मनुष्य वृक्ष लगाता है, वे वृक्ष परलोक में उसके पुत्र बनकर जन्म लेते हैं।

-विष्णु स्मृति

अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

25

हरियाली है तो मेघ है, मेघ है तो जल है, जल है तो अन्न है, अन्न है तो जीवन है।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

26

वृक्षारोपण आन्दोलन चलाएँ, अधिकाधिक सब वृक्ष लगाएँ।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

27

पेड़ों से वायु और वायु से आयु।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

28

वृक्षारोपण युगधर्म है।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

29

वृक्ष लगायें, धरा बचायें।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

30

वृक्ष कटा, जीवन मिला।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

31



**वृक्ष वृद्धि,
सर्व समृद्धि।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

32



**वृक्ष एक,
लाभ अनेक।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

33



**पेड़ हमारी शान है,
जीवन की मुस्कान है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

34



**पौधा प्राणवान है,
उसे प्रेम की अपेक्षा है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

35

**वृक्ष लगाओ,
पुण्य कमाओ।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

36

**लहलहाते वृक्ष-वनस्पति ही
किसी राष्ट्र की
सच्ची प्रगति दर्शाते हैं।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

37

**हरियाली लाइए,
खुशियाली पाइए।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

38

**वृक्ष ही
ऊर्जा संकट का
समाधान है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

39

**वृक्ष लगाना हमारा
नैतिक कर्तव्य है।**



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

40

वृक्षों के रक्षक बनें,
भक्षक नहीं।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

41

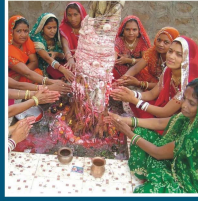
पेड़ लगाये हर इन्सान,
माँ वसुन्धरा
देती वरदान।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

42

मूलःब्रह्मा, त्वया विष्णुः,
शाखाः रुद्रो महेश्वरः।
पत्रे पत्रे तु देवानाम,
वृक्षराजो नमोः स्तुते ॥



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

43

वृक्ष काट मेरे दोस्त,
मत करो तुम पाप।
रोती धरती तुमको भी
देगी अभिशाप ॥



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

44

मत काटो इन पेड़ों को
इनमें होती है जान,
बिन पेड़ों के हो जायेगा,
सबका जीवन सुनसान।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

45

ग्लोबल वार्मिंग से
खतरे हैं भरपूर,
पर्यावरण की रक्षा से
कर सकते हैं दूर।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

46

कड़ी धूप है जलते पाँव,
होते पेड़ तो मिलती छाँव।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

47

हरियाली भूतल-शृंगार,
जहाँ वृक्ष है वहीं बहार।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

48

लघु सेवा
तरु हमसे लेते,
अमित लाभ
जीवन भर देते।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

49

करते वृक्ष प्रदूषण दूर,
देते हैं वर्षा भरपूर।



अखिल विश्व गायत्री परिवार-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार • www.awgp.org

50

